④ रूपिम - रूप को जब इतने छोटे खंडों में विभाजित कर दिया जाए कि उसके और अधिक सार्थक खंड न किए जा सकें तो उन न्यूनतम सार्थक खंडों को रूपिम कहा जाता है। इस प्रकार भाषा की लघुतम सार्थक इकाई रूपिम कहलाती है। उदाहरण - कल उसके मित्र की पिटाई होगी, इस वाक्य में निम्नलिखित रूपिम हैं- कल / उस / के / मित्र / की / पीट / आई / हो / ग / (जा) / ई।

⑤ शब्द स्तर - वर्णों से मिलकर बनने वाली, भाषा की स्वतन्त्र, सार्थक और लघुतम इकाई को शब्द कहते हैं।

→ स्रोत की दृष्टि से शब्द के भेद - ① तत्सम ② तद्भव ③ अज्ञातव्युत्पत्तिक ④ आगत (देशज) (विदेशी)

→ व्युत्पत्ति की दृष्टि से शब्द के भेद - ① रूढ़ ② यौगिक ③ योगरूढ़

→ अर्थ के आधार पर शब्द के भेद - ① संस्वानार्थ ② सामान्य अर्थ ③ लक्ष्यार्थ ④ व्यंग्यार्थ ⑤ सामाजिक अर्थ

→ प्रयोग के आधार पर शब्द के भेद - ① विकारी ② अविकारी

⑥ ध्वनि-स्तर - स्वतन्त्र रूप से प्रयुक्त होने पर ध्वनियाँ सार्थक नहीं होतीं परन्तु एक व्यवस्थित क्रम में आपस में मिलकर ये शब्द, वाक्य आदि रूप में सार्थक इकाई बन जाती हैं। ध्वनि-स्तर पर भाषा का अध्ययन निम्न रूप से किया जा सकता है -

→ वर्ण विचार - ① स्वर ② व्यंजन

→ स्वर और व्यंजन ① खंड्य स्वनिम हैं क्योंकि इनका स्वतन्त्र उच्चारण संभव है।

+ खंड्येतर स्वनिम - ये खंड्य ध्वनियों की मदद से बोले जाते हैं।

② खंड्येतर स्वनिम

(क) बलाघात - आज कम से कम बोलूँगा ('आज' पर बलाघात)

Scanned by TapScanner